निर्णय की घाटी क्या है?

योएल 3:14–16 (ESV):

“निर्णय की घाटी में भीड़-की-भीड़! क्योंकि यहोवा का दिन निर्णय की घाटी में निकट है। सूर्य और चंद्रमा अंधकारमय हो जाते हैं, और तारे अपनी चमक खो देते हैं। यहोवा सिय्योन से गरजता है, और यरूशलेम से अपना शब्द सुनाता है; आकाश और
पृथ्वी कांप उठते हैं। परन्तु यहोवा अपने लोगों के लिये शरणस्थान और इस्राएल के लोगों के लिये गढ़ ठहरता है।”

यह वचन भविष्यवाणी के रूप में उस अंतिम समय का वर्णन करता है जब परमेश्वर सभी राष्ट्रों को न्याय के लिए इकट्ठा करेगा। “निर्णय की घाटी” (जिसे यरूशलेम के पास यहोशापात की घाटी भी कहा जाता है, जिसका अर्थ है “यहोवा न्याय करता है”) उस स्थान का प्रतीक है जहाँ परमेश्वर अपने धर्मी न्याय को प्रकट करेगा।

“निर्णय की घाटी” का अर्थ

“निर्णय” या “कटौती” का विचार यह दर्शाता है कि परमेश्वर सभी विवादों और अधर्म को अंतिम रूप से समाप्त करेगा। यह एक

न्यायालय या अंतिम युद्ध के समान है जहाँ हर बात का स्थायी निर्णय होता है—कोई और बहस नहीं, केवल अंतिम फैसला।

जैसे मानव नेतृत्व में विवादों को समाप्त करने के लिए निर्णायक कदम उठाए जाते हैं, वैसे ही परमेश्वर इतिहास के अंत में अच्छे और बुरे के बीच अंतिम न्याय करेगा।

परमेश्वर के सामने दो प्रकार के लोग

1. विश्वासियों की पुकार न्याय के लिए

प्रकाशितवाक्य 6:10 (ESV):
“हे प्रभु, पवित्र और सत्य, तू कब तक न्याय नहीं करेगा और
पृथ्वी के रहनेवालों से हमारे खून का बदला नहीं लेगा?”

ये वे लोग हैं जो दुःख और सताव सहते हुए परमेश्वर की न्यायपूर्ण हस्तक्षेप की प्रतीक्षा करते हैं।

2. ठट्ठा करने वाले और अविश्वासी लोग

2 पतरस 3:4 (ESV):
“उसके आने की प्रतिज्ञा कहाँ है? क्योंकि जब से पितर सो गए,
सब कुछ वैसा ही चल रहा है जैसा सृष्टि के आरंभ से था।”

ये लोग परमेश्वर के वचनों का मज़ाक उड़ाते हैं और उसके न्याय को नकारते हैं।

आने वाला न्याय का दिन

बाइबल में न्याय के दिन को ब्रह्मांडीय घटनाओं के साथ दर्शाया गया है: सूर्य का अंधकारमय होना, चंद्रमा का प्रकाश खोना, और तारों का गिरना (योएल 3:15)। यह परमेश्वर के न्याय के आरंभ का संकेत है।

मसीह विजयी राजा के रूप में लौटेंगे:

प्रकाशितवाक्य 19:11–16 (ESV):
“मैंने स्वर्ग को खुला हुआ देखा, और देखो, एक श्वेत घोड़ा…
और जो उस पर बैठा है उसका नाम ‘विश्वासयोग्य और सत्य’ है… और उसके वस्त्र और जांघ पर लिखा है: राजाओं का राजा और प्रभुओं का प्रभु।”

वह शत्रुओं को पूरी तरह पराजित करेंगे, जैसा कि भजन संहिता 2:9 में भी लिखा है।

न्याय और सहस्राब्दी (Millennium)

दुष्ट शक्तियों के पराजित होने के बाद, मसीह जीवित और मृतकों का न्याय करेंगे (मत्ती 25:31–46)। “भेड़ और बकरियों” का विभाजन अंतिम निर्णय को दर्शाता है।

धर्मी लोग मसीह के 1000 वर्ष के राज्य में प्रवेश करेंगे (प्रकाशितवाक्य 20:4–6), जो शांति और पुनर्स्थापन का समय होगा।

आध्यात्मिक अर्थ और चेतावनी

“निर्णय की घाटी” केवल एक भौगोलिक स्थान नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक वास्तविकता भी है। यह हमें परमेश्वर के सामने उत्तरदायित्व की याद दिलाती है:

परमेश्वर का न्याय निश्चित है — बुराई दंडित होगी (रोमियों 12:19)
परमेश्वर की दया पश्चाताप के लिए बुलाती है — परन्तु अस्वीकार करने पर न्याय आता है (2 पतरस 3:9)
मसीह ही धर्मी न्यायाधीश हैं — उद्धार केवल उन्हीं में है (यूहन्ना 14:6)
सभी राष्ट्र जवाबदेह होंगे — उनके कर्मों और प्रतिक्रिया के अनुसार (मत्ती 25:31–46)

आज का निमंत्रण

संसार उस निर्णायक क्षण की ओर बढ़ रहा है। परमेश्वर आपको आमंत्रित करता है कि आप यीशु मसीह को अपने प्रभु और उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करें।

2 कुरिन्थियों 5:17 (ESV):
“इसलिए यदि कोई मसीह में है, तो वह नई सृष्टि है; पुरानी
बातें बीत गई हैं; देखो, सब कुछ नया हो गया है।”

यूहन्ना 3:16 (ESV):
“क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उसने अपना
एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे वह नाश
न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए।”

निष्कर्ष

“निर्णय की घाटी” हमें चेतावनी भी देती है और आशा भी देती है। यह

परमेश्वर के आने वाले न्याय की गंभीर याद दिलाती है, और साथ ही उन लोगों के लिए अनन्त जीवन की आशा है जो उस पर विश्वास करते हैं।

1 पतरस 1:13 (ESV):
“इसलिए अपने मन की कमर बाँधकर, संयमी होकर, उस अनुग्रह पर
पूरी आशा रखो जो यीशु मसीह के प्रकट होने पर तुम्हें मिलने वाली है।”

प्रभु यीशु आपको आशीष दें और आपकी रक्षा करें।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp